घोटाला क्या सीईओ रवि ग्वाल की आंखों पर बंधी है भ्रष्टाचार की पट्टी?, पंचायत दर्पण पोर्टल पर जानबूझकर अपलोड हो रहे अपठनीय बिल

बदरा जनपद पंचायत में 'धुंधले बिलों' का महाघोटाला

जमुना कोतमा नवभारत 14 मार्च। जिले की जनपद पंचायत बदरा इन दिनों भ्रष्टाचार की एक नई और शातिर प्रयोगशाला बन गई है। सरकारी योजनाओं में पारदर्शिता लाने और लीकेज रोकने के लिए शासन द्वारा बनाए गए 'पंचायत दर्पण' पोर्टल का इस्तेमाल अब भ्रष्टाचारियों द्वारा अपने सुबूत मिटाने के लिए किया जा रहा है।

बदरा जनपद के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायतों में विकास कार्यों के नाम पर सरकारी खजाने की खुलेआम लूट हो रही है, और इसका जरिया बने हैं 'धुंधले बिल'। सूत्रों और पंचायत दर्पण पोर्टल की पड़ताल से एक बेहद चौंकाने वाला फर्जीवाड़ा सामने आया है। ग्राम पंचायतों द्वारा पोर्टल पर सामग्री खरीदी और निर्माण कार्यों के बिल तो अपलोड किए

जा रहे हैं, लेकिन उन्हें एक सोची-समझी साजिश के तहत इतना 'धुंधला' कर दिया जाता है कि उनमें लिखी गई कोई भी जानकारी स्पष्ट रूप से पढ़ी ही नहीं जा सके।

जानकारी छिपाने की है साजिश

इन धुंधले बिलों को देखकर यह पता लगाना नामुमकिन है कि निर्माण सामग्री किस फर्म या दुकान से खरीदी गई है। मात्रा और दर का अता-पता नहीं: बिल में सामग्री की मात्रा क्या है और किस दर पर खरीदी गई है, यह सब धुंधलेपन के पीछे छिपा दिया जाता है। बिल पर तारीख तक स्पष्ट नहीं होती, जिससे एक ही बिल को बार-बार इस्तेमाल करने की आशंका बढ़ जाती है। इस तकनीकी खेल के जरिए बिना वास्तविक काम किए या बेहद घटिया सामग्री का उपयोग कर लाखों रुपये के फर्जी बिल आसानी

से पास कराए जा रहे हैं।

सीईओ की कार्यप्रणाली पर उठ रहे गंभीर सवाल

इस पूरे सुनियोजित घोटाले में सबसे बड़ा सवाल जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) रवि ग्वाल की भूमिका पर खड़ा हो रहा है। एक सीईओ के कंधों पर जनपद के अंतर्गत आने वाली सभी ग्राम पंचायतों की सीधी निगरानी, बिलों के भौतिक सत्यापन और वित्तीय कार्यों की पारदर्शी समीक्षा की अहम जिम्मेदारी होती है।

बिना जांच के कैसे पास हो रहे बिल

बिना जांच के कैसे पास हो रहे बिल? यदि पोर्टल पर लगातार धुंधले और अपठनीय बिल अपलोड हो रहे हैं, तो सीईओ कार्यालय द्वारा उन्हें बिना सत्यापन के वित्तीय स्वीकृति कैसे दी जा रही है? क्षेत्र के जागरूक नागरिकों का सीधा आरोप है कि बिना उच्चाधिकारियों के संरक्षण या 'मौन स्वीकृति' के पंचायत स्तर पर इतने बड़े पैमाने पर सरकारी राशि का गबन संभव ही नहीं है।

जनता में भारी आक्रोश, उच्च स्तरीय जांच की मांग

इस 'धुंधले घोटाले' के सामने आने के बाद बदरा क्षेत्र के लोगों में भारी आक्रोश है। पंचायत के पैसों की इस बंदरबांट को लेकर नागरिकों ने जिला कलेक्टर और वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है।

तकनीकी जांच और भौतिक सत्यापन हो : पार्षद

पंचायत दर्पण' पोर्टल पर बदरा जनपद के तहत अपलोड किए गए सभी संदिग्ध और धुंधले बिलों की एक उच्च स्तरीय समिति (जिसमें तकनीकी विशेषज्ञ शामिल हों) से जांच कराई जाए और मौके पर जाकर कार्यों का भौतिक सत्यापन हो। इस कृत्य में संलिप्त पंचायत सचिवों, सरपंचों और बिना देखे बिल पास करने वाले अधिकारियों पर गबन का आपराधिक मामला दर्ज कर सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए।

150 वाहन चालकों का किया नेत्र परीक्षण

वाहन चालकों के लिए नि :शुल्क नेत्र व स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित

अनूपपुर, नवभारत 14 मार्च। सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देने और वाहन चालकों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए पुलिस द्वारा एक सराहनीय पहल की गई। पुलिस अधीक्षक अनूपपुर मोती उर रहमान के मार्गदर्शन में थाना यातायात परिसर में निःशुल्क स्वास्थ्य एवं नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया।

इस शिविर में बड़ी संख्या में वाहन चालकों और आम नागरिकों ने भाग लेकर स्वास्थ्य परीक्षण का लाभ उठाया। शिविर के दौरान 150 से अधिक वाहन चालकों का नेत्र परीक्षण, ब्लड प्रेशर और शुगर की जांच की गई। जांच के दौरान जिन चालकों की दृष्टि कमजोर पाई गई, उन्हें मौके पर ही निःशुल्क नजर का चश्मा प्रदान किया गया।

2 वाहन चालकों में कलर ब्लाइंडनेस की शिकायत पाई गई

शिविर में कुल 35 वाहन चालकों को मौके पर ही चश्मा दिया गया, वहीं जांच के दौरान 2 वाहन चालकों में कलर ब्लाइंडनेस की शिकायत पाई गई। इसके अलावा 26 चालक शुगर के मरीज तथा 16 चालक ब्लड प्रेशर से ग्रसित पाए गए। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान ने कहा कि सड़क सुरक्षा केवल यातायात नियमों के पालन तक सीमित नहीं है, बल्कि वाहन चालकों का अच्छा स्वास्थ्य भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

638 किशोरियों का किया एचपीवी टीकाकरण

सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए चल रहा अभियान

अनूपपुर, नवभारत 14 मार्च। जिले में गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर (सर्वाइकल कैंसर) से बचाव के लिए जिला प्रशासन द्वारा चलाए जा रहे एचपीवी टीकाकरण अभियान के तहत अब तक 638 किशोरियों को टीका लगाया जा चुका है।

कलेक्टर हर्षल पंचोली एवं जिला पंचायत सीईओ अर्चना कुमारी के निर्देशन में यह अभियान संचालित किया जा रहा है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अलका तिवारी के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य विभाग की टीम जिलेभर में टीकाकरण कार्य कर रही है। अभियान के तहत 14 वर्ष पूर्ण कर चुकी तथा 15 वर्ष 3 माह तक की

बालिकाएं टीकाकरण के लिए पात्र हैं। इसके अलावा अभियान शुरू होने के 90 दिनों के भीतर 15 वर्ष की आयु पूरी करने वाली बालिकाओं को भी पात्र माना गया है। टीका 0.5 मिलीलीटर की एकल खुराक के रूप में इंट्रामस्कुलर इंजेक्शन के माध्यम से लगाया जा रहा है।

अभिभावकों की सहमति आवश्यक

यह टीकाकरण पूरी तरह स्वैच्छिक है तथा इसके लिए अभिभावकों की सहमति आवश्यक है। जिले के प्रमुख स्वास्थ्य केंद्रों पर यह सुविधा निःशुल्क उपलब्ध कराई जा रही है। इनमें जिला चिकित्सालय अनूपपुर, सीएचसी कोतमा, जैतहरी, राजेंद्रग्राम, फुनगा, परासी, अमरकंटक तथा पीएचसी बिजुरी और बेनीबारी शामिल हैं। कलेक्टर हर्षल पंचोली ने कहा कि जिले की प्रत्येक पात्र किशोरी को इस अभियान से जोड़ना जरूरी है।

100 प्रतिशत लक्ष्य पूर्ति करने वाले बैंकर्स का किया सम्मान

नवभारत,जबलपुर। शहर के छोटे वेंडरों और पथ विक्रेताओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से संचालित पी.एम. स्वनिधि योजना की प्रगति को लेकर शुक्रवार को निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार द्वारा एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में योजना की सफलता को लेकर न केवल रणनीति साझा की गई, बल्कि उत्कृष्ट कार्य करने वाले बैंकर्स को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन भी किया गया। इस मौके पर निगमायुक्त ने बैंक ऑफ बड़ौदा एवं बैंक ऑफ इंडिया के प्रबंधक अशोक कुमार और रमेश कुमार को मीटिंग के दौरान पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया। वहीं अन्य बैंको के प्रतिनिधियों से निगमायुक्त ने 100 प्रतिशत टारगेट पूरा करने के लिए अनुरोध किया।

युवती का अपहरण, स्कॉर्पियो सहित 3 अपहर्ता गिरफ्तार

पुलिस की त्वरित कार्रवाई से मिली सफलता

अनूपपुर, नवभारत 14 मार्च। थाना जैतहरी क्षेत्र में एक युवती के अपहरण के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए महज 12 घंटे के भीतर तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त स्कॉर्पियो वाहन भी जब्त कर लिया है।

पुलिस के अनुसार 13 मार्च को पीड़िता ने थाना जैतहरी में शिकायत दर्ज कराई कि जयप्रकाश राठौर ने उसे जबरन स्कॉर्पियो वाहन में बैठाकर विवाह के उद्देश्य से अपहरण कर लिया। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पीड़िता ने बताया कि वह शहडोल के एक पैरामेडिकल कॉलेज में पढ़ाई कर

रही है। लगभग तीन वर्ष पहले उसकी पहचान इंस्टाग्राम के माध्यम से जयप्रकाश राठौर निवासी चोरभठी से हुई थी।

सहेली के घर से युवती का किया था अपहरण

बातचीत के दौरान आरोपी ने उससे विवाह करने की बात कही थी, लेकिन युवती ने स्पष्ट कर दिया था कि वह अपने माता-पिता की इच्छा के अनुसार ही विवाह करेगी। बताया गया कि 13 मार्च की दोपहर युवती अपनी सहेली के साथ घर के बाहर बैठी थी। तभी काले रंग की स्कॉर्पियो से पहुंचे जयप्रकाश राठौर ने चेहरे पर साफा बांधकर उसे जबरन वाहन में बैठा लिया। वाहन में चालक सहित एक अन्य व्यक्ति भी मौजूद था।

आरोपी पिपरिया में युवती छोड़कर फरार हो गए थे

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने वाहन और आरोपियों की तलाश शुरू कर दी। पीछा किए जाने के दौरान आरोपी पिपरिया में युवती को छोड़कर फरार हो गया। बाद में परिजन युवती को सुरक्षित घर ले आए। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर गठित टीम ने कार्रवाई करते हुए अपहरण में शामिल तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

एक नजर में

91,675 किसानों को मिली पीएम किसान सम्मान निधि

अनूपपुर, नवभारत। कलेक्ट्रेट स्थित सोन सभागार में पीएम किसान उत्सव दिवस के अवसर पर जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर असम के गुवाहाटी से देश के प्रधानमंत्री के संबोधन का वर्चुअल प्रसारण जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और किसानों ने देखा व सुना। प्रधानमंत्री द्वारा गुवाहाटी से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 22वीं किस्त सिंगल क्लिक के माध्यम से देशभर के किसानों के बैंक खातों में हस्तांतरित की गई। इसी क्रम में अनूपपुर जिले के 91,675 किसानों के बैंक खातों में भी सम्मान निधि की राशि सीधे ट्रांसफर की गई, जिससे किसानों में खुशी का माहौल रहा।

प्रस्फुटन समितियों का क्षमता वर्धन प्रशिक्षण आयोजित

अनूपपुर, नवभारत। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के नेतृत्व में विकासखंड जैतहरी के सेक्टर क्रमांक 5 अंतर्गत ग्राम पंचायत बरबसपुर में 14 मार्च को प्रस्फुटन समितियों का क्षमता वर्धन प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यक्रम का आयोजन नवांकुर संस्था शिव मारुति युवा संगठन समिति द्वारा किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत अध्यक्ष प्रीति रमेश सिंह उपस्थित रहीं, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता नवांकुर संस्था के अध्यक्ष बृजेश राठौर ने की।प्रथम सत्र में नवांकुर सचिव बृजेश राठौर ने जन अभियान परिषद के उद्देश्यों और कार्यों की जानकारी देते हुए प्रस्फुटन, नवांकुर और सृजन योजना के बारे में विस्तार से बताया। इसके बाद जैतहरी ब्लॉक समन्वयक फते सिंह ने प्रस्फुटन समितियों के गठन, उनकी कार्यप्रणाली तथा रिकॉर्ड संधारण की प्रक्रिया से प्रतिभागियों को अवगत कराया और विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन में सक्रिय सहभागिता के लिए प्रेरित किया।

भंवरताल परिवार ने मनाया रंग पंचमी महोत्सव

नवभारत, जबलपुर। प्रकृति के अनूठे रंगों के साथ, समाजिक समरसता का पर्व होली के समापन दिवस 'रंग पंचमी' पर भंवरताल परिवार द्वारा प्रातः हर्षोउल्लास के साथ शहर के गण मान्य नागरिकों की उपस्थिति में रंगारंग मिलन समारोह सात्विक ठंडाई एवं स्वाल्पाहार वितरित कर धूमधाम से मनाया गया।अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस भी होने पर कदम संस्था एवं भंवरताल परिवार की महिलाओं द्वारा बड़ी संख्या में शामिल होकर पर्व को गौरव प्रदान किया अबीर एवं पुष्पों से होली खेली गयी। कार्यक्रम की अध्यक्षता शरद चंद्र पालन ने की, कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व विधायक विनय सक्सेना रहे। समारोह के सफल आयोजन के लिए डॉ. सुनील बहल, सलिल जैन, राजीव तिवारी, महेश परसवानी, जितेन्द्र ठाकुर का विशेष सहयोग रहा।

एलपीजी सिलेंडर की कमी को लेकर युवा कांग्रेस का प्रदर्शन

कंधे पर खाली सिलेंडर रखकर जताया विरोध

अनूपपुर, नवभारत 14 मार्च। एलपीजी सिलेंडर की कमी को लेकर जिला युवा कांग्रेस ने शनिवार को अनूपपुर में विरोध प्रदर्शन किया। युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कंधे पर खाली सिलेंडर रखकर और हाथों में पोस्टर लेकर रेलवे स्टेशन तिराहा पहुंचकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की तथा सिलेंडर की कमी पर कार्यवाही की मांग की।

बताया जा रहा है कि इन दिनों पूरे देश में एलपीजी सिलेंडर की कमी की खबरें सामने आ रही हैं। कई जगहों पर लोग सिलेंडर लेने के लिए लंबी कतारों में खड़े दिखाई दे रहे हैं। आमजन को बुकिंग करने के बाद भी सिलेंडर समय पर नहीं मिल पा रहा है। कभी डीएसी नंबर नहीं मिलने की समस्या तो कभी गोदामों में सिलेंडर खत्म होने के कारण लोगों को खाली हाथ लौटना पड़ रहा है।

एलपीजी सिलेंडर को माला पहनाई

इसी मुद्दे को लेकर युवा कांग्रेस ने जिलाध्यक्ष मानवेंद्र मिश्रा के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु और प्रदेश अध्यक्ष डॉ. यश लखन घनघोरिया के आदेश तथा जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष गुड्डू चौहान के निर्देशानुसार आयोजित किया गया। प्रदर्शन से पहले युवा कांग्रेस के पदाधिकारी और कार्यकर्ता जिला कांग्रेस कार्यालय अनूपपुर में एकत्रित हुए। इसके बाद सभी कार्यकर्ता पैदल मार्च करते हुए नारेबाजी के साथ रेलवे स्टेशन तिराहा पहुंचे। यहां कार्यकर्ताओं ने एलपीजी सिलेंडर को माला पहनाकर प्रतीकात्मक विरोध दर्ज कराया और केंद्र व प्रदेश की भाजपा सरकार के खिलाफ नारेबाजी की।

कोल बने लिपिक वर्गीय कर्मचारी संघ के जिला अध्यक्ष

अनूपपुर, नवभारत। जल संसाधन विभाग में लेखपाल के पद पर कार्यरत आरबी कोल को मध्यप्रदेश लिपिक वर्गीय शासकीय कर्मचारी संघ का अनूपपुर जिला अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति संघ के प्रांतीय अध्यक्ष मुकेश चतुर्वेदी द्वारा जारी संगठनात्मक आदेश के माध्यम से की गई है। जारी आदेश के अनुसार आर.बी. कोल वर्तमान

में जल संसाधन विभाग में सहायक वर्ग-2 (लेखपाल) के पद पर पदस्थ हैं। वे लंबे समय से कर्मचारी संगठनों और सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। कर्मचारियों के हितों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता, संगठनात्मक अनुभव और सक्रिय कार्यशैली को देखते हुए संघ ने उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है।

श्री अखंड दुर्गा चालीसा पाठ आज से

नवभारत, जबलपुर। भगवती मानव कल्याण संगठन के संस्थापक संचालक परमहंस योगीराज शक्तिपुत्र महाराज के दिशा निर्देशन में पूरे देश में समाज को नशामुक्त मांसाहार मुक्त और चरित्रवान बनाने के लक्ष्य को लेकर अखंड दुर्गा चालीसा पाठ संपन्न कराये जाते है गुरुदेव द्वारा संगठन की स्थापना 15 अप्रैल 97 में की गई तब से आज तक 20 लाख से अधिक लोगों को नशामुक्त मांसाहार मुक्त चरित्रवान बनाया गया है।

लोक अदालत में टूटा रिश्ता फिर जुड़ा

तलाक लेने पहुंचे पति-पत्नी में हुआ समझौता

अनूपपुर, नवभारत 14 मार्च। राष्ट्रीय लोक अदालत के दौरान शनिवार को कोतमा न्यायालय में एक भावुक और प्रेरणादायक मामला सामने आया, जहां तलाक लेने पहुंचे पति-पत्नी के बीच न्यायालय के प्रयास से समझौता हो गया और दोनों ने पुनः साथ रहने का निर्णय लिया। समझौते के बाद दंपति अपने चार बच्चों और परिवार के साथ घर लौट गए।

प्रथम जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश गंगाचरण दुबे की खंडपीठ क्रमांक 9 में 14 मार्च को इस मामले की सुनवाई हुई। प्रकरण के अनुसार सुनीता चौधरी (परिवर्तित नाम) और विक्रम लाल चौधरी का विवाह 24 अप्रैल 2012 को कोतमा में हुआ था। दांपत्य जीवन के दौरान उनके चार बच्चे जिनमें तीन पुत्रियां और एक पुत्र हैं। समय के साथ पति के संदेहपूर्ण व्यवहार, शराब पीकर विवाद करने और पत्नी द्वारा पति के अनादर के आरोप-प्रत्यारोप के कारण दोनों के बीच मनमुटाव बढ़ता गया। करीब दो वर्ष पहले पत्नी बच्चों के साथ पति से अलग रहने लगी।

न्यायाधीश के प्रयास से दोनों में हुई सुलह

बाद में पत्नी ने न्यायालय में विवाह विच्छेद की याचिका दायर कर दी, जिस पर पति ने भी सहमति जताई थी। सुनवाई के दौरान अंतिम बयान दर्ज होने से पहले न्यायालय ने एक बार फिर समझौते का प्रयास किया। न्यायाधीश के प्रयास और दोनों पक्षों के परिजनों, विशेषकर पति-पत्नी की माताओं की समझाइश से अंततः दोनों के बीच सुलह हो गई।

अव्यवस्था ईरान-अमेरिका तनाव के बीच एलपीजी सप्लाई को लेकर चिंता, अव्यवस्था का असर लोगों की रसोई तक दिखने लगा

घरेलू गैस सिलेंडर की आपूर्ति पर सवाल, लग रही लंबी कतार

अनूपपुर, नवभारत । रसोई गैस की आपूर्ति को लेकर शहर में इन दिनों चिंता का माहौल बना हुआ है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ते तनाव और सप्लाई व्यवस्था की अव्यवस्था का असर अब आम लोगों की रसोई तक दिखाई देने लगा है। सरकारी स्तर पर गैस की कमी से इनकार किया जा रहा है, लेकिन जमीन पर हालात कुछ और ही कहानी बयां कर रहे हैं।

शहर की कई गैस एजेंसियों के बाहर इन दिनों लंबी कतारें देखने को मिल रही हैं। लोगों का कहना है कि बुकिंग सिस्टम बार-बार ठप हो रहा है और हेल्पलाइन नंबर भी ठीक से काम नहीं कर रहे हैं। ऐसे में उपभोक्ताओं को

एजेंसियों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। कागजों में गैस की पर्याप्त उपलब्धता बताई जा रही है, लेकिन लोगों के लिए असली सवाल यही है कि उनके घर तक सिलेंडर कब पहुंचेगा।

शहरी जीवन पूरी तरह एलपीजी पर निर्भर

दरअसल आज शहरी जीवन पूरी तरह एलपीजी पर निर्भर हो चुका है। पहले जहां घरों में लकड़ी, उपले और कोयले के चूल्हे आम थे, वहीं अब सुविधा और पर्यावरणीय कारणों से इन विकल्पों का इस्तेमाल लगभग खत्म हो गया है। यही वजह है कि गैस आपूर्ति में थोड़ी सी भी अनिश्चितता लोगों के बीच चिंता और घबराहट पैदा कर देती है।

छोटे फूड स्टॉल व ढाबे वाले प्रभावित

गैस की कमी का असर केवल घरों तक सीमित नहीं है। शहर की अर्थव्यवस्था का एक बड़ा हिस्सा भी इसी ईंधन पर टिका हुआ है। छोटे फूड स्टॉल, ढाबे, होटल और हॉस्टल जैसे कई कारोबार रोजमर्रा के काम के लिए एलपीजी पर निर्भर रहते हैं।

जैसे ही सप्लाई में बाधा आती है, सबसे पहले यही छोटे कारोबार प्रभावित होते हैं। कहीं मेन्यू सीमित हो जाता है तो कहीं दुकानों को अस्थायी रूप से बंद करना पड़ता है।

लोग पुराने विकल्पों की ओर भी लौटते दिखे

स्थिति बिगड़ने पर लोग पुराने विकल्पों की ओर भी लौटते दिखाई दे रहे हैं। कई जगहों पर कोयले की भट्टी और लकड़ी के चूल्हों का इस्तेमाल बढ़ने लगा है, वहीं इंडक्शन चूल्हों की मांग भी अचानक बढ़ गई है। यह स्थिति बताती है कि आधुनिक ऊर्जा व्यवस्था अभी भी कई स्तरों पर कमजोर है। विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसे समय में प्रशासन की सबसे बड़ी जिम्मेदारी केवल आपूर्ति बनाए रखना नहीं, बल्कि लोगों के बीच भरोसा कायम रखना भी है।